>

Title: Need to take measures to contain the looming threat of economic

depression in the country.

श्री दत्ता मेघे (वर्धा): मैं सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं कि देश में मंहगाई और मंदी की मार पड़ी है, औद्योगिक विकास की घटती दर ने सभी को चौंका दिया है, हमारे घरेलू उत्पाद में चौतरफा गिरावट जारी हैं बैंक डूबने के कगार पर है। सन् 2008 की मंदी में हम घरेलू मजबूत बाजार के कारण बच गये थे, किन्तु 2011-2012 की परिस्थिति भिन्न है।

अमेरिका की अर्थव्यवस्था में कमजोरी की आशंका और कई देशों का ऋण में फंस जाने से संपूर्ण विश्व मंदी की चपेट में आ गया है। इस भयानक संकट से उबरने के लिये कोई आवश्यक रणनीति नहीं है, यूरोपिय संघ, ग्रीस, इटली जैसे देश आर्थिक संकट में फंस कर जूझ रहे हैं। अमरीका की हालत भी अच्छी नहीं है। पिछले मंदी से अभी तक अमरीका उबरा नहीं है, दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के कारण इसका विश्व पर सीधा असर पड़ता है।

इसलिए मैं सरकार से अनुरोध करना चाहूंगा कि वित्तीय बाजार को स्थिरता बहाल करने के लिए समय पर ही कदम उठाने चाहिए, निवेशकों में विश्वास बढ़ाना चाहिए और सरकारी खर्चे में भारी कटौती करनÃ¶ळ चाहिए। यह कार्य इतना आसान नहीं है लेकिन इसके अलावा हमारे पास और कोई विकल्प नहीं है।

मा. वित्त मंत्री के अनुसार हमारी विकास दर 7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। अच्छा मानसून और कृषि में भारी निवेश के कारण 7 प्रतिशत विकास दर पाना असंभव नहीं है। फिर भी हमें सावधान रहने की जरूरत है जिस कारण इस कठिन घड़ी में हमारी अर्थव्यवस्था सक्षम रहे। संपूर्ण देश सरकार से जानना चाहता है कि सरकार इस मंदी से निपटने के लिए क्या क्या उपाय कर रही है।